NCERT || स्थापना || उद्देश्य ||महत्त्व ||चर्चा एवं निबंध [pdf]

वर्तमान में जिस तरह से भारत सरकार शिक्षा के साथ- साथ, इसके पैटर्न पर ध्यान दे रही है वह वर्तमान में शिक्षा की क्रांति के रूप में देखा जाना चाहिए वहीं दूसरी तरफ जिस तरह से Civil Service की परीक्षाओं में शिक्षा के पैटर्न को ध्यान में रख कर प्रश्न पूछे जा रहे है वह भी एक क्रांति के रूप में देखा जा सकता है लेकिन समझने की बात यह है कि यह पैटर्न किस लिए बनाया गया और कहां से लिया गया है ? आज का लेख NCERT के उपर है, यहां पढ़ेगे कि NCERT का उद्देश्य क्या है? NCERT का महत्त्व क्या है? NCERT की स्थापना कब हुयी थी? तथा NCERT के कार्य क्या है?

NCERT (एन.सी. ई.आर.टी.) क्या होता है:-

इसको समझने से पहले, इसके फुल फॉर्म को जानते है, हिंदी में इसका फुल फॉर्म या पूरा नाम राष्ट्रीय शैक्षिण अनुसंस्थान और पशिक्षण परिषद् होता है तथा अंग्रेजी में National council of Educational Research and Training कहते है, यह पाठ्यक्रम भारत सरकार के शिक्षा मंत्रालय द्वारा बनाया गया है , जिसे भारत सरकार द्वारा ही Societies Registration Act के तहत स्थापित किया गया है |

National council of Educational Research and Training, भारत में साहित्यिक, वैज्ञानिक, और धार्मिक शिक्षा के संबंधित एक संगठन (Organization) है |

NCERT (एन.सी. ई.आर.टी.) का इतिहास:-

वैसे तो भारत देश में बहुत प्रकार के शिक्षण संसथान तथा बोड्र्स है , उदाहरण के लिए, यदि हरियाणा की बात करे तो हरियाणा माध्यमिक शिक्षा बोर्ड, इसी तरह उत्तर प्रदेश, मध्यप्रदे, बिहार आदि आते है और उनकी अलग- अलग किताबें भी आती है, लेकिन NCERT एक ऐसा बोर्ड है जो भारत सरकार के द्वारा पूरे भारत में एक तरह की किताबें जारी करता है, यह कक्षा 1 से कक्षा 12 के छात्रों के लिए विभिन भाषाओँ में सभी विषयों के लिए किताबें प्रकाशित करता है|

इसकी स्थापना 27 जुलाई 1961 को हुयी थी तथा इसका मुख्यालय,श्री अरबिंदो मार्ग (नई दिल्ली) में है यदि सिद्धांत की बात करें तो, विद्ययाsमृतम्श्नुते और उद्देश्य, शिक्षा में सुधार और गुणवत्ता लाना आदि है |

NCERT (एन.सी. ई.आर.टी.) के महत्वपूर्ण तथ्य:-

यह भारत सरकार द्वारा 1961 में बनाया गया था जिसे एक संगठन व परिषद् का रूप दिया गया और इसका गठन शिक्षा के क्षेत्र से जुड़े सभी मामलों, सूचनाओं और विचारकों को ध्यान में ध्यान में रख कर किया गया |

जब भारत देश में NCERT (एन.सी. ई.आर.टी.) लागू नहीं हुआ था उस समय भारत में 7 शिक्षण संसथान हुआ करते थे जिनको क्रेन्द्रीय विद्यालय कहा जाता था |

1- केन्द्रीय शिक्षा संस्थान (The Central Institute of Education)
2- राष्ट्रीय बेसिक शिक्षा संस्थान (The National Institute of Basic Education)
3- राष्ट्रीय मौलिक शिक्षा केंद्र (The National Fundamental Education Center)
4- केन्द्रीय शैक्षिण ब्यूरो और व्यावसायिक मार्गदर्शन (The Central Bureau Of Educational And Vocational Guidance)
5- माध्यमिक शिक्षा के लिए विस्तार कार्यक्रम निदेशालय (The Directorate Of Extension Programs For Secondary Education)
6- ऑडियो – विजुअल शिक्षा राष्ट्रीय संसथान (The National of Audio Visual)
7- पाठ्य पुस्तक अनुसंधान केन्द्रीय ब्यूरो (The Central Bureau of Textbook)

इस सातों संगठनों को मिलाकर एक संगठन बना दिया गया जिसे NCERT का नाम दिया गया, इसको बनाने के बाद इसके अंतर्गत 1963 में एक राष्ट्रीय विज्ञान प्रतिभा खोज योजना का गठन किया गया जिसका उद्देश्य देश के प्रतिभाशाली छात्रों का सहयोग करना और उन्हें आगे बढ़ाने के लिए प्रोत्साहित करना था |

NCERT (एन.सी. ई.आर.टी.) के कार्य:-

1- इस राष्ट्रीय शिक्षण संस्था के अंतर्गत स्कूली शिक्षा से जुड़े सभी प्रकार के सेवाओं को बढ़ावा दिया जाता है इसका सबसे महत्वपूर्ण कार्य देश के प्रत्येक विद्यार्थी का प्रोत्साहन और मार्गदर्शन करता है|
2- समय के साथ होने वाले तकनीकी बदलाव में देश को प्रोत्साहित करना तथा नई- नई तकनीकी को बढ़ावा देने के लिये शिक्षा में मार्गदर्शन करना|
3- देश- समाज में शिक्षा के प्रति जागरूकता को आगे ले जाना ताकि देश के साथ- साथ समाज के प्रत्येक व्यक्ति को शिक्षा मिल सके और शिक्षित बन सके|

4- नवीनतम, वैज्ञानिक और तकनीकी शिक्षा को बढ़ावा देना, जो देश के विकास के लिए अत्यधिक महत्वपूर्ण है, NCERT के अंतर्गत सभी प्रकार के तकनीकी को सहयोग दिया जाता है|
5- pre-service और in-service, शिक्षक ट्रेनिग को प्रोत्साहित करना तथा शिक्षा के कार्यकर्ताओं को सहयोग करनाताकि शिक्षा स्तर बेहतर हो सके और भारत देश का एजुकेशन सिस्टम मजबूत हो सके |
6- देश में अधिकतर सरकारी विद्यालयों में NCERT के अंतर्गत प्रकाशित पुस्तकों को शिक्षा के लिए उपयोग किया जाता है और सरकारी प्रतियोगी परीक्षाओं में भी NCERT द्वारा प्रकाशित पुस्तकों से ही पाठ्यक्रम लिया जाता है |

NCERT (एन.सी. ई.आर.टी.) के उद्देश्य:-

इसके उद्देश्य निम्नलिखित है :-

1- शिक्षा के क्षेत्र में विशेष रूप से गुणवत्ता लाना तथा देश में शिक्षा के स्तर को उच्च करना|
2- भारत सरकार द्वारा शिक्षा और समाज कल्याण को विशेष रूप से स्कूली शिक्षा के संबंध में सलाह देना और शिक्षा नीति – निर्धारण करने में मदद करना |
3- देश में शिक्षा में क्षेत्र में होने वाले नए अनुसंधान में प्रगति देना, सहायता और समन्वय करना |
4- देश में शिक्षा पाठ्यक्रम में होने वाले बदलाव को लागू करना तथा देश के विकास में सहयोग देना |
5- स्कूली शिक्षा पाठ्यक्रम, समाचार पत्र, मॉडल शिक्षा पद्यति और साहित्य पत्रिकाओं को प्रकाशित करना ||
6- देश में शैक्षणिक संस्थानों, शिक्षा विभागों, विद्यालयों और सरकारी संगठनों का सहयोग करना |
7- विद्यालयों में नए प्रकार के शैक्षिक तकनीकी और साहित्य, प्रथाओं का प्रचार करना आदि |

NCERT Full Form in Hindi

हिंदी में इसका फुल फॉर्म या पूरा नाम राष्ट्रीय शैक्षिणअनुसंस्थान और पशिक्षण परिषद् होता है |

फुल फॉर्म ऑफ़ NCERT क्या होता है?

National council of Educational Research and Training होता है यह Education के रेगुलेशन का कार्य करता है |